1	2	3	4	5	6
2 M.A. (Final)	1991	Economics	80	..	..
	1992	Do.	81	..	..
	1993	Do.	25	01	..
3 M. Com, ...	1991		22	..	..
	1992		28	..	..
	1993		89	02	01
4 M. B. A. (Final) . . .	1991		32	..	01
	1992		87	01	01
	1993		40	01	..
5 B. Sc. Engg.	1991		164	06	..
	1992		155	07	01
	1993		171	06	02
6 M. Sc. Engg.	1991		33	..	..
	1992		27	..	..
	1993		44	..	..

केन्द्रीय विद्यालय संगठन संघ में विभाजन

1602. **श्री गोविन्द राम मिरी :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 29 अप्रैल, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 5119 के दिए गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 के दौरान कर्मचारी संघों के विभाजन की स्थिति तथा उन्हें प्रदत्त सुविधाओं के नियमन के संबंध में जो प्रक्रिया और तन्त्र निर्धारित किया गया था उसके बाद से राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ के विभक्त दो ग्रूपों के नाम क्या-क्या हैं;

(ख) क्या उक्त प्रक्रिया में वर्णित सदस्य संख्या की गणना का कार्य प्रारम्भ/सम्पूर्ण कर लिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम रहा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या इन दोनों ग्रूपों को भी वही सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं जो मान्यता प्राप्त संघों को उपलब्ध हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (घ) राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक सघ के दो समूह निम्न प्रकार हैं :—

1 राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ (जे.)

(2) राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ (एस.)

सदस्यता का सत्यापन होने तक इन दोनों समूहों को, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अन्य मान्यता प्राप्त सेवा संघों की भांति, संयुक्त परामर्शदाता तंत्र में सदस्यता और अन्य सुविधाएं प्रदान की गई हैं। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने अब सेवा संघों (एसोसिएशनों) की मान्यता के बारे में संशोधित अनुदेशों और संघों के लिए कार्यविधि को भी जारी कर दिया है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन संघों से सम्बन्धित सभी मामलों के सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु इन नियमों को अपनाने के लिए आवश्यक कार्यवाई कर रहा है।

राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघों को मान्यता

1603. **श्री शिवचरण सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विधिसम्मत मान्यता प्रदान की गई है तथा प्रत्येक मामले में मान्यता प्रदान करने की तिथि क्या-क्या है ;

(ख) इस समय उक्त नाम के कितने अध्यापक संघ हैं ;

(ग) इनमें से प्रत्येक को कब-कब मान्यता प्रदान की गई थी; और

(घ) प्रत्येक अध्यापक संघ के मामले में सदस्यों की संख्या तथा पदाधिकारियों के नामों का ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ जिसे 28 फरवरी, 1986 को विधितः मान्यता प्रदान की गई थी, दो भागों में विभाजित हो गया है और इन दोनों समूहों को इनमें से प्रत्येक की सदस्य संख्या सत्यापित होने तक संयुक्त परामर्श तंत्र (जे. सी. एम.) में सदस्यता और अन्य सुविधाऐं दी गई हैं।

(घ) उनके द्वारा दी गई सूचना के अनुसार इन संघों के अध्यक्ष और महासचिव के नाम निम्न प्रकार हैं :—

राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ (जे.)

1. श्री अजयकुमार, कार्यकारी अध्यक्ष
2. श्री जगत सिंह, महासचिव

राष्ट्रीय केन्द्रीय विद्यालय अध्यापक संघ (एस.)

1. श्री सूखबीर सिंह मलिक, अध्यक्ष
2. श्री बलजीत सिंह मलिक, कार्यवाहक महासचिव

Increase in section size of Kendriya Vidyalayas

1604. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the section size in Kendriya Vidyalayas in general and those of Delhi in particular has grown to more than 60-70 students; and

(b) if so, what steps the Sangathan contemplates to deal with such a situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Kendriya Vidyalaya Sangathan has informed that in lower classes of some schools particularly in Delhi, enrolment of students has been higher than the normal class strength.

(b) Additional Sections are opened depending upon the availability of infrastructural facilities. Besides, Kendriya Vidyalaya Sangathan has introduced second shift system in some schools.